2022
सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक :** 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

(i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड – क

1. (क) 'सौ अजान एक सुजान' के लेखक हैं : **[1]**

(i) भारतेन्दु हरिश्चंद्र (ii) प्रताप नारायण मिश्र (iii) श्याम सुन्दर दास (iv) बालकृष्ण भट्ट

(ख) 'राष्ट्र का स्वरूप' निबंध के लेखक हैं : **[1]**

(i) डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय (iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ग) 'ध्रुव यात्रा' कहानी के लेखक हैं : **[1]**

(i) अमरकान्त (ii) मुंशी प्रेमचन्द (iii) यशपाल (iv) जैनेंद्र कुमार

(घ) 'विद्यानिवास मिश्र' निबन्धकार हैं : **[1]**

(i) ललित निबंधों के (ii) विचारात्मक निबंधों के (iii) मनोवैज्ञानिक निबंधों के (iv) भावनात्मक निबंधों के

(ङ) 'भाषा और आधुनिकता' निबंध के लेखक हैं : **[1]**

(i) वासुदेवशरण अग्रवाल (ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम (iii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी (iv) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

2. (क) हिन्दी साहित्य का इतिहास लिखनेवाले सर्वप्रथम विद्वान् हैं : **[1]**

(i) डॉ० गियर्सन (ii) गार्सा द तासी (iii) डॉ० रामकुमार वर्मा (iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(ख) मलिक मोहम्मद जायसी को किस धारा का कवि माना गया है ? **[1]**

(i) ज्ञानमार्गी अथवा सन्त काव्यधारा का (ii) राममार्गी शाखा का (iii) सूफी काव्यधारा का (iv) सगुण-भक्ति धारा का

(ग) 'रीति काल' को 'श्रृंगार काल' नाम दिया है : **[1]**

(i) मिश्र बन्धुओं ने (ii) रामशंकर शुक्ल 'रसाल' ने (iii) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने (iv) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने

(घ) 'लहर' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) महादेवी वर्मा (ii) जयशंकर प्रसाद (iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' (iv) डॉ० रामकुमार वर्मा

(ङ) 'हिरोशिमा' कविता के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर' (ii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (iii) महादेवी वर्मा (iv) माखनलाल चतुर्वेदी

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

जन का प्रवाह अनन्त होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार-चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नयी उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं। जन का सततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

(i) 'जन का प्रवाह' का आशय लिखिए।

(ii) राष्ट्रनिवासी जन किसके समान आगे बढ़ने के लिए अजर-अमर हैं ?

(iii) उत्थान के घाटों का निर्माण कैसे होगा ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

मगर उदास होना बेकार है। अशोक आज भी उसी मौज में है, जिसमें आज से दो हजार वर्ष पहले था। कहीं भी तो कुछ नहीं बिगड़ा है, कुछ भी तो नहीं बदला है। बदली है मनुष्य की मनोवृत्ति। यदि बदले बिना वह आगे बढ़ सकती तो शायद वह भी नहीं बदलती और यदि वह न बदलती, और व्यावसायिक संघर्ष आरम्भ हो जाता – मशीन का रथ घर्घर चल पड़ता – विज्ञान का सावेग धावन चल निकलता तो बड़ा बुरा होता।

(i) लेखक के अनुसार किसमें परिवर्तन हुआ है ?

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मनोवृत्ति' और 'धावन' शब्दों का आशय लिखिए।

(iv) अशोक आज भी उसी मौज में क्यों है ?

(v) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और उसके लेखक का नाम लिखिए।

4. दिए गए पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

दुर्बलता का हो चिह्न विशेष शपथ है,
पर अबला जन के लिये कौन-सा पथ है ?
यदि मैं उकसाई गई भरत से होऊँ,
तो पति समान ही स्वयं पुत्र भी खोऊँ।
ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो।
करके पहाड़ सा पाप मौन रह जाऊँ ?
राई-भर-भी अनुताप न करने पाऊँ ?
थी सनक्षत्र राशि-निशा उच्छ्वास टपकाती,
रोती थी नीरव सभा हृदय थपकाती।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'दुर्बलता का चिह्न' क्या है ? इसे कौन किससे कह रहा है ?

(iv) 'ठहरो, मत रोको मुझे, कहूँ सो सुन लो।' यह कथन किसका किसके प्रति है ?

(v) नीरव सभा की क्या स्थिति थी ?

अथवा

दु:ख की पिछली रजनी बीच,
विकसता सुख का नवल प्रभात।
एक परदा यह झीना नील,
छिपाये जिसमें सुख गात।।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप,
जगत् की ज्वालाओं का मूल।
ईश का वह रहस्य वरदान
कभी मत इसको जाओ भूल।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'नवल' तथा 'गात' शब्दों के अर्थ लिखिए।

(iv) यहाँ 'तुम' किसके लिये प्रयुक्त है और वह किसको क्या समझे बैठा है ?

(v) यह किसका कैसा वरदान है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी (ii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम (iii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) महादेवी वर्मा (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य लिखिए। **[5]**

अथवा

'ध्रुव-यात्रा' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश लिखिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[5]**

(i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'संदेश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iv) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार लिखिए।

(v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए। **अथवा** 'त्यागपथी' के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्रांकन कीजिए।

(vi) 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। **अथवा** 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खण्ड – ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

संस्कृतसाहित्यस्य आदिकविः वाल्मीकिः, महर्षि-व्यासः, कविकुलगुरुः कालिदासः, अन्ये च भास-भारवि-भवभूत्यादयो महाकवयः स्वकीयैः ग्रन्थरतैः अद्यापि पाठकानां हृदि विराजन्ते। इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातंत्र्यम् गौरवम्, अखण्डत्वं सांस्कृतिकमेकत्वं च संस्कृतानेनैव सुरक्षितुं शक्यते। इय संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा च अस्ति। ततः सुष्ठुक्तम् 'भाषासु मुख्य मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती' इति।

अथवा

याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच–मैत्रेयि ! उद्यास्यन अहम् अस्मात् स्थानादस्मि। ततस्तेऽनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति। मैत्रेयी उवाच– यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात् तत् किं तेनाहममृता स्यामिति। याज्ञवल्क्य उवाच–नेति। यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच– येनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति तदेव मे ब्रूहि।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

निन्दन्तु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु
लक्ष्मीः समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्।
अद्यैव वा मरणमस्तु युगान्तरे वा
न्यायात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।।

अथवा

सुखार्थिनः कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।
विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) अपना उल्लू सीधा करना (ii) घी के दीये जलाना (iii) एक पंथ दो काज (iv) एक अनार सौ बीमार

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'अत्याचारः' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) अत्य + आचारः (ब) अति + आचारः (स) अत् + आचारः (द) अ + त्याचारः

(ii) 'महेन्द्रः' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) मह + इन्द्रः (ब) महा + इन्द्रः (स) महे + इन्द्रः (द) महो + इन्द्रः

(iii) 'नायकः' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) नै + अकः (ब) न + आयकः (स) नाय + अकः (द) नौ + अकः

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है : **[1]**

(अ) द्वितीया विभक्ति, एकवचन (ब) तृतीया विभक्ति, एकवचन (स) पंचमी विभक्ति, एकवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है : **[1]**

(अ) तृतीया विभक्ति, एकवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (स) पंचमी विभक्ति, द्विवचन (द) सप्तमी विभक्ति, एकवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : **[1]**

(i) उभय – उभय (अभय – उभय)

(अ) भयपूर्ण और भय रहित (ब) भयहीन और दोनों (स) आकाश और पृथ्वी (द) आशा और लापरवाही

(ii) कुल – कूल

(अ) पूरा और अधूरा (ब) यहाँ और वहाँ (स) इस ओर और उस ओर (द) वंश और किनारा

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) पत्र (ii) तीर (iii) अनन्त

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका ज्ञान कम हो : **[1]**

(अ) अल्पज्ञ (ब) अज्ञेय (स) अनजान (द) अक्षम

(ii) जंगल में स्वयं लगने वाली आग : **[1]**

(अ) सर्वाग्नि (ब) बड़वाग्नि (स) जठराग्नि (द) दावाग्नि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) कृष्ण और राधा नृत्य कर रहे है।

(ii) सूर्य पूरब में निकलता था।

(iii) मैं कलम के साथ लिखता हूँ।

(iv) पुत्री पराया धन होता है।

12. (क) 'शृंगार' रस अथवा 'वीर' रस का स्थायी भाव बताते हुए, उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ख) 'यमक' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण और उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का लक्षण और उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

13. अपने क्षेत्र में प्रदूषण से उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को एक पत्र लिखिए। **[6]**

अथवा

अपनी उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिये शैक्षणिक ऋण प्राप्त करने के उद्देश्य से किसी बैंक के प्रबन्धक को पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : **[9]**

(i) जीवन में परिश्रम का महत्व (ii) आधुनिक शिक्षा प्रणाली के गुण-दोष (iii) अनियन्त्रित भ्रष्टाचार: कारण और निवारण (iv) वर्तमान समाज में नारी की स्थिति (v) मेरा प्रिय कवि